तापमान
अधिकतम 24.0 डिग्री
न्यूनतम 22.0 डिग्री

हरिभूमि
कांकेर भूमि
रायपुर, गुरुवार 29 अक्टूबर 2026

भानुप्रतापपुर | चारामा | अंतागढ़ | पखांजूर | दुर्गूकोंदल | नरहरपुर | लखनपुरी | कोयलीबेड़ा

10 लाल सलाम के नारों के साथ एरला से माकड़ी ...



12 चक्रवात अर्नब के असर से बेमौसम वर्षा, किसान ...



खबर संक्षेप



मोर मितान अभियान के 11 बीट आरक्षक सम्मानित

कांकेर। मोर मितान कांकेर पुलिस अभियान के तहत पुलिस लाइन कांकेर में बीट आरक्षकों की बैठक आयोजित की गई। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज बद्रीनारायण मीणा एवं एसपी निखिल राखेचा ने बीट पुलिसिंग की समीक्षा कर अपराधों की रोकथाम, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आमजन से बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने सामुदायिक पुलिसिंग मजबूत करने तथा नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने पर जोर दिया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 बीट आरक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कलार महोत्सव के लिए तैयारी बैठक आज होगी

कांकेर। प्रदेश स्तरीय कलार महोत्सव के आयोजन की तैयारियों को लेकर डड़सेना कलार समाज बस्तर संभाग की बैठक 29 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे स्थानीय सामाजिक भवन अलबेलापारा में आयोजित होगी। बैठक संभागीय अध्यक्ष पुरुषोत्तम गजेंद्र के नेतृत्व में होगी, जिसमें संभागीय एवं जिला पदाधिकारियों, महिला प्रभाग, युवा संगठन, कर्मचारी प्रकोष्ठ तथा ब्लॉक अध्यक्षों और सचिवों सहित सुरोजिया कलार समाज के पदाधिकारी शामिल होंगे। बैठक में महोत्सव की रूपरेखा, आयोजन स्थल, तिथि निर्धारण, अतिथियों की सूची और प्रचार-प्रसार की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

गोडपाल नाला पुल निर्माण का आज होगा भूमिपूजन

दुर्गूकोंदल। विकासखंड दुर्गूकोंदल अंतर्गत ग्राम पंचायत गोडपाल एवं चाउरगांव क्षेत्र में गोडपाल नाला पुल के सेतु निर्माण कार्य का भूमिपूजन आज गुरुवार 29 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा क्षेत्र के सांसद, विशेष अतिथि भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोडपाल सरपंच ललेश्वरी जोहन उड़के करेंगी।

बस्तर ओलंपिक के लिए 30 तक होंगे पंजीयन

दुर्गूकोंदल। बस्तर ओलंपिक 2026 के तहत दुर्गूकोंदल विकासखंड में 3 और 4 नवंबर को उन्मुक्त खेल मैदान में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। 3 नवंबर को जूनियर और 4 नवंबर को सीनियर वर्ग के मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता में 11 खेल विधाओं में खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इच्छुक खिलाड़ी 30 अक्टूबर तक आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं। खेलों में रुचि रखने वाले युवाओं से निर्धारित समय-सीमा के भीतर पंजीयन कर प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की गई है।

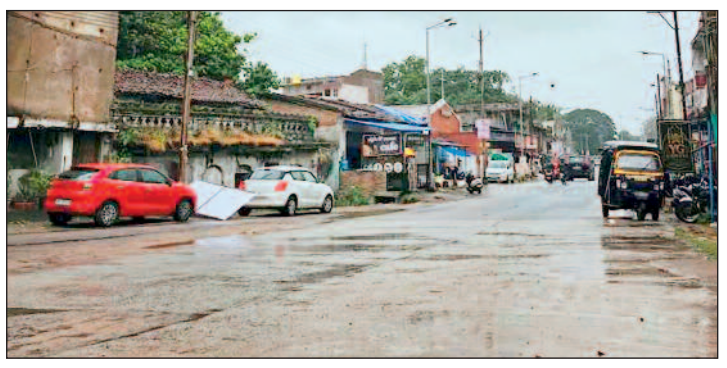
सुबह पाँच बजे से बूंदाबांदी समाचार लिखे जाने तक जारी रही, जनजीवन प्रभावित

अर्नब चक्रवात का असर, दिनभर बदली और बूंदा-बांदी है फसल के लिए घातक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

अर्नब चक्रवात के प्रभाव से जिले में भी मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुरूप जिले में बुधवार सुबह से शुरू हुई बारिश का सिलसिला समाचार लिखे जाने तक जारी रहा। कांकेर आरेंज अलर्ट जोन में था, परंतु एहतियात बरतते हुए स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रो की छुट्टी रही। कांकेर में कई तेज हवा और बड़े नुकसान की खबर समाचार लिखे जाने तक नहीं आई। कांकेर में दिनभर बारिश रिमझिम की तरह होती रही। धान की फसल को लेकर किसानों की चिंता भी बढ़ गई है। कांकेर जिले में 28 अक्टूबर बुधवार की सुबह का मौसम बदला हुआ नजर आया। सुबह करीब पांच बजे हल्की बूंदाबांदी शुरू हुई, जो छह बजे के बाद हल्की बारिश में बदल गई। शुरुआती घंटों में बारिश ⏭शेष पेज 10 पर

- खेतों में खड़ी धान की फसल और कटाई के बाद रखे करपों को नुकसान का खतरा



बारिश के बीच जरूरी काम के लिए निकले लोग

दिनभर बारिश होने से बाजारों, सड़कों और रोजमर्रा के कामकाज पर असर देखने को मिला। बारिश के कारण लोगों को घरों से बाहर निकलने में परेशानी हुई। हालांकि, मौसम विभाग के पूर्वानुमान की जानकारी पहले से होने के कारण कई लोगों ने अपने जरूरी कार्यों की योजना उसी के अनुसार बनाई। इसके बावजूद कामकाज के सिलसिले में घरों से निकले लोगों को बारिश के बीच आवागमन करना पड़ा। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को विशेष रूप से परेशानी का सामना करना पड़ा।

अर्नब के प्रभाव से आज भी स्कूलों में छुट्टी

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने चक्रवाती तूफान अर्नब के प्रभाव और आगामी दिनों में चक्रवाती तूफान व अतिवृष्टि की आशंका को देखते हुए जिले में 29 अक्टूबर गुरुवार को सभी स्कूलों में एक दिवसीय अवकाश घोषित किया गया है। कलेक्टर कुंदन कुमार द्वारा 29 अक्टूबर को जारी आदेश के अनुसार विद्यार्थियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाई और हायर सेकेंडरी विद्यालय बंद रहेंगे।

धान की फसल को लेकर किसानों की बढ़ी चिंता

कांकेर जिले में धान की खेती किसानों की आजीविका का प्रमुख आधार है। ऐसे में अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में हुई लगातार बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में खड़ी धान की फसल, कटाई की तैयारी और कटाई के बाद खेतों या खलिहानों में रखे धान पर मौसम का असर पड़ने की आशंका है। यदि बारिश लंबे समय तक जारी रहती है या खेतों में पानी भर जाता है, तो फसल की गुणवत्ता और कटाई के काम पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, वास्तविक नुकसान का आकलन बारिश की अवधि, खेतों की स्थिति और फसल की अवस्था के आधार पर ही किया जा सकेगा।

तूफान जैसा नहीं दिखा माहौल

चक्रवात अर्बन के दौरान 28 अक्टूबर को कांकेर जिले में आंधी-तूफान जैसा माहौल आने का पूर्वानुमान था, ऐसा देखने को नहीं मिला। तेज हवाओं और तूफानी परिस्थितियों के बजाय आसमान में बादल छाए रहे तथा रुक-रुककर बारिश होती रही। बारिश के कारण आम जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग की मानें तो 29 अक्टूबर की दोपहर के बाद बारिश थम जाएगी।

नंदनमारा में बेकाबू कार पोल से टकराई और गांव में फैला अंधेरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

कांकेर थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-30 स्थित नंदनमारा गांव का है, जहां देर रात करीब ढाई बजे तेज रफ्तार

- एयरबैग खुलने से कार सवारों की बची जान, नेशनल हाईवे-30 पर हुआ हादसा

कार अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बिजली का पोल और उससे जुड़ा ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे के बाद गांव में बिजली आपूर्ति बाधित होने से अंधेरा छा गया। गनीमत रही कि कार में लगे एयरबैग खुल गए, जिससे कार सवार लोगों की जान बच गई। कांकेर जिले में तेज रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। सड़कों पर बेलगाम रफ्तार के कारण आए दिन हादसों का खतरा बना हुआ है। ताजा मामला बीत रात ढाई बजे की बताई जा रही है। नेशनल हाईवे-30 पर नंदनमारा गांव के पास एक तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से टकरा गई। टक्कर के चलते बिजली का पोल और ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के कारण गांव की बिजली व्यवस्था प्रभावित हो गई और आसपास के क्षेत्र में अंधेरा छा गया। बिजली के खंभे और ट्रांसफार्मर को हुए नुकसान से स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हादसे के दौरान कार का एयरबैग खुलने से कार सवारों को गंभीर चोट से बच गए। तेज रफ्तार में वाहन चलाने के दौरान चालक का नियंत्रण खोना कितना खतरनाक हो सकता है, यह घटना एक बार फिर इसकी याद दिलाती है। यदि कार की टक्कर किसी अन्य वाहन या राहगीर से होती, तो हादसा और भी गंभीर हो सकता था। समाचार लिखे जाने तक इस घटना के संबंध में कांकेर थाना में मामला दर्ज नही हो पाया है।



तेज रफ्तार पर नियंत्रण जरूरी

नेशनल हाईवे पर वाहन चलाते समय गति सीमा का पालन करना और सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। थोड़ी सी लापरवाही न केवल वाहन सवारों की जान जोखिम में डाल सकती है, बल्कि बिजली के खंभे, ट्रांसफार्मर और सार्वजनिक संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसे हादसों से बचने के लिए वाहन चालकों को तेज रफ्तार से बचने और सड़क पर सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

मुर्गा बाजार में मारपीट की और घर जलाने दी धमकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

भानुप्रतापपुर के मुर्गा बाजार में एक युवक के साथ कथित तौर पर हाथ-मुक्कों और थप्पड़ों से मारपीट करने के साथ उसे जान से मारने और घर में आग लगाने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। भानुप्रतापपुर थाना में शिकायत करने पहुँचे करमोती निवासी 27 वर्षीय सुखराम नेताम ने पुलिस को बताया कि मैं सुअर फार्म संचालित करता हूँ और सुअर बेचकर अपने परिवार



का भरण-पोषण करता है। मैं भानुप्रतापपुर के मुर्गा बाजार में सुअर का मांस बेच रहा था। इसी दौरान ग्राम करमोती निवासी राजकुमार मंडावी और राजा मंडावी मुर्गा बाजार पहुंचे। आरोप है कि दोनों ने सुखराम से सुअर कटवाने की बात को लेकर विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों ने कथित तौर पर सुखराम के साथ हाथ-मुक्कों और थप्पड़ों से मारपीट की। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने उसे जान से मारने और उसका घर जला देने की धमकी भी दी। घटना के समय आसपास मौजूद अन्य व्यापारियों ने मारपीट होते देखी और आरोपियों की बातें सुनीं। शिकायत के आधार पर भानुप्रतापपुर पुलिस ने राजकुमार मंडावी और राजा मंडावी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2), 296, 3(5) और 351(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने प्रकरण को विवेचना में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

बहन की डंडे से पिटाई मामले में भाई के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

कांकेर शहर के श्रीराम नगर में पारिवारिक विवाद को लेकर एक भाई द्वारा अपनी बहन के साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर कांकेर पुलिस ने आरोपी भाई के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। कांकेर थाना में शिकायत करने पहुँची 26 वर्षीय श्रीराम नगर कांकेर निवासी 26 वर्षीय दीपिका मंडावी पति दुर्गेश मंडावी ने पुलिस को बताया कि वह रोजी-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती हैं और अपनी मां, पति तथा दो बच्चों के साथ रहती हैं। उनके दो भाई हैं, जिनमें बड़ा भाई दीपक मंडावी अपने परिवार के



साथ रहता है, जबकि छोटा भाई अलग रहता है। शिकायत के मुताबिक 27 अक्टूबर को दोपहर साढ़े 12 बजे शिकायतकर्ता अपने घर में काम कर रही थीं। इसी दौरान उनके बड़े भाई दीपक मंडावी पिता स्व. राजाराम मंडावी घर पहुंचे। आरोप है कि पारिवारिक बातों को लेकर विवाद शुरू हो गया। इस दौरान आरोपी ने शिकायतकर्ता को घर से निकल जाने के लिए कहा। इसके बाद कथित तौर पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और पास में रखे लकड़ी के डंडे से मारपीट करने लगा। शिकायतकर्ता के अनुसार मारपीट की वजह से उनके दाएं हाथ, बाएं पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों ने विवाद होते देखा और बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। घटना के बाद पीड़िता ने थाना कांकेर पहुंचकर अपने भाई के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी भाई के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 296 और 351(3) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नाबालिग से मारपीट व गाड़ी से कुचलकर मारने की धमकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चिचगांव बड़ेपारा में 15 वर्षीय किशोर के साथ कथित तौर पर मारपीट करने और उसे गाड़ी से कुचलकर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार

- भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र के चिचगांव बड़ेपारा की घटना, दुर्योधन नरेटी समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज



शिकायतकर्ता ने बताया कि 27 अक्टूबर की रात करीब साढ़े 11 बजे आरोपी गोडोपारा निवासी दुर्योधन नरेटी और अन्य व्यक्तियों ने मारपीट करते हुए गाड़ी से कुचलकर जान से मारने की धमकी भी दी।

घटना के बाद मामले को लेकर गांव और पंचायत स्तर पर बैठक किए जाने की बात भी सामने आई है। पंचायत स्तर पर मामला के निपटारा नहीं होने के उपरांत पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ थाना में शिकायत किया। पीड़ित की शिकायत पर भानुप्रतापपुर थाने दुर्योधन नरेटी एवं अन्य के खिलाफ धारा 115(2), 296, 3(5) और 351(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। पुलिस ने मामले को विवेचना में लेकर घटना से संबंधित तथ्यों की जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान शिकायत में लगाए गए आरोपों, घटना की परिस्थितियों और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की पड़ताल की जाएगी। मामले में आगे की कार्रवाई विवेचना के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी।

शादी का झांसा देकर रेप आरोपी युवक गिरफ्तार

पखांजूर। युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में पखांजूर पुलिस ने 23 वर्षीय आरोपी



को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार पीड़िता ने थाना पखांजूर में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि आरोपी ने शादी का आश्वासन देकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद भी वह शादी का वादा कर लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा। पीड़िता के गर्भवती होने की जानकारी मिलने पर आरोपी ने शादी करने से इनकार कर दिया। इसके बाद पीड़िता ने परिजनों को जानकारी देकर ⏭शेष पेज 10 पर

पत्नी से मारपीट की व दी जान से मारने की धमकी

कांकेर। भानुप्रतापपुर थानांतर्गत ग्राम मरदेल में एक महिला ने अपने पति पर शराब के नशे में मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। पीड़िता ने अपने पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। प्राप्त शिकायत के अनुसार ग्राम मरदेल निवासी 32 वर्षीय रजनी कावड़े का विवाह सुखचन्द्र कावड़े के साथ हुआ था। दंपती के दो पुत्र हैं। महिला का आरोप है कि शादी के बाद से ही उसका पति शराब के नशे में आए दिन विवाद करता था और उसके साथ मारपीट व गाली-गलौज करता था। पति की हरकतों से परेशान होकर वह अपने बच्चों के साथ मायके में रहने लगी थी। महिला ने शिकायत में बताया कि समाज के पदाधिकारियों द्वारा कई बार समझाइश देने के बावजूद उसके पति



के व्यवहार में सुधार नहीं हुआ।

उसने आरोप लगाया कि सामाजिक स्तर पर हुए घटनाक्रम के दौरान उसके दोनों बच्चों को उसकी इच्छा के विरुद्ध पति के सुपुर्द कर दिया गया। इसके बाद से वह अपने माता-पिता के साथ ग्राम मरदेल में रह रही है। पीड़िता के मुताबिक 27 अक्टूबर की सुबह करीब 8 से 9 बजे उसका पति शराब के नशे में उसके मायके पहुंचा और उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान पति ने उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। महिला का कहना है कि उसका पति पहले भी कई बार उसके साथ मारपीट कर चुका है, जिससे उसे भविष्य में किसी अनहोनी की आशंका बनी रहती है। शिकायत पर पुलिस ने सुखचंद कावड़े के खिलाफ धारा 115(2), 296, 351(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

किसानों के कदमों को बारिश भी नहीं रोक पाई, वर्षा में भी आंदोलन जारी

धान की अंतर राशि के लिए त्रिपाल ओढ़कर किया सत्याग्रह आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

आसमान से बारिश की बूंदें लगातार बरसती रहीं, लेकिन किसानों के कदम नहीं रुके। सिर पर त्रिपाल ओढ़े और बारिश से बचने की कोशिश करते हुए किसान अपनी मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय के पास दाम सत्याग्रह करने पहुंचे। बुधवार को हुए इस प्रदर्शन में किसानों ने धान की बकाया अंतर राशि का भुगतान करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान किसानों का कहना है कि धान की अंतर राशि और अन्य लंबित भुगतान का मुद्दा उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी को लेकर वे सरकार से जल्द निर्णय लेने और बकाया राशि का भुगतान सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान बारिश से बचने के लिए किसानों को त्रिपाल का सहारा

- किसान संघ ने 6,066 करोड़ रुपये बकाया होने का किया दावा



लेना पड़ा, लेकिन खराब मौसम भी उनके आंदोलन को रोक नहीं सका। कलेक्ट्रेट के पास जुटे किसानों ने अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाते हुए शासन का ध्यान इस ओर आकर्षित करने का प्रयास किया। आंदोलन में शामिल किसान नेताओं ने दावा किया है कि किसानों का कुल 6,066 करोड़ रुपये बकाया है।

धान की अंतर राशि और चौथी किस्त जारी करने की मांग

किसानों की प्रमुख मांगों में वर्ष 2024-25 और 2025-26 की धान की अंतर राशि का भुगतान शामिल है। इसके साथ ही उन्होंने राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किस्त जारी करने की मांग उठाई है। किसानों का कहना है कि लंबित राशि मिलने से उन्हें आर्थिक राहत मिलेगी और खेती-किसानी से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा किसानों ने धान का समर्थन मूल्य बढ़ाकर 3,358 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग भी रखी है।

बारिश के बीच भी जारी रहा किसानों का संघर्ष

कांकेर में सुबह से बारिश हो रही है, वहीं किसान संघ के पदाधिकारी व किसान दाम सत्याग्रह के दौरान बारिश से बचने त्रिपाल ओढ़कर नारेबाजी करते हुए नजर आए। किसानों का कहना था कि अभी सरकार का हम ध्यान आर्कषण कर रहे है, इसके बाद भी सरकार नहीं जागी, तो पूरे प्रदेश में किसान आंदोलन का रास्ता अपना सकते है। बारिश के बीच हुआ यह दाम सत्याग्रह किसानों की आर्थिक चिंताओं और अपनी मांगों को शासन तक पहुंचाने के प्रयास का प्रतीक बनकर सामने आया।

मशरूम उत्पादन के लिए 6 दिनी दिया गया प्रशिक्षण

कांकेर। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान कांकेर में आयोजित छह दिवसीय सामान्य उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को समापन हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों में उद्यमशीलता की भावना विकसित करना तथा उन्हें स्वरोजगार अपनाने और स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को मशरूम उत्पादन का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इसमें मशरूम की खेती की प्रक्रिया, उत्पादन के लिए आवश्यक सामग्री, उचित रखरखाव, उत्पादन प्रबंधन तथा मशरूम उत्पादन को व्यवसाय के रूप में अपनाकर आय अर्जित करने



की संभावनाओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को स्वरोजगार के नए अवसरों से जोड़ने और अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक जानकारी एवं कौशल प्रदान करने पर जोर दिया गया। प्रशिक्षकों ने मशरूम उत्पादन जैसे लघु व्यवसाय के माध्यम से सीमित संसाधनों में आजीविका के अवसर विकसित करने की संभावनाओं से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर संस्थान के निदेशक ने प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते ⏭शेष पेज 10 पर

खबर संक्षेप

पर्यटकों के लिए कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान खुला

जगदलपुर। जिले के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान अंतर्गत गुफाएं एवं अन्य पर्यटन स्थल आगामी 15 जून तक आम पर्यटकों के लिए खुले रहेंगे। साथ ही कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित तीरथगढ़ जलप्रपात पर्यटकों के अवलोकन हेतु नियमित तौर पर खुला रहेगा। यह जानकारी देते हुए निदेशक ने बताया कि गुफा में प्रवेश करने हेतु निर्धारित समय सुबह 8 से दोपहर 3 बजे तक रहेगा।

त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन के प्रेक्षक नियुक्त

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग ने डिप्टी कलेक्टर दन्तेवाड़ा मूलचन्द चोपड़ा मोबाइल नंबर 83199-64191 को बस्तर जिले के त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन 2026 के निर्वाचक नामावली तैयारी पुनरीक्षण कार्य हेतु प्रेक्षक नियुक्त किया है। प्रेक्षक नियुक्त होने के उपरांत वे सर्किट हाऊस जगदलपुर में ठहरे हुए हैं। सर्व साधारण निर्वाचन कार्य के संबंध में उनसे कार्यालयीन समय प्रातः 11 से दोपहर 1 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं।

चेराकुर में नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण

जगदलपुर। मंगलवार को बस्तर विकास खंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चेराकुर में नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप ने भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित व पूजा-अर्चना कर इस नवीन भवन को ग्रामीणों एवं नौनिहालों को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के सर्वांगीण विकास, प्राथमिक शिक्षा और उत्तम पोषण की सबसे मजबूत आधारशिला होते हैं। आकर्षक चित्रों, वर्णमाला व बाल-सुलभ आकृतियों से सुसज्जित इस नए भवन के बनने से नन्हे बच्चों को सुरक्षित, प्रेरणादायक व अनुकूल वातावरण मिलेगा। इससे केंद्र के संचालन सहित विभिन्न पोषण और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा सकेगा।

पेज 11 के शेष...

अर्बन चक्रवात का ...

की रफ्तार धीमी रही, लेकिन दिन बढ़ने के साथ बारिश का असर भी बढ़ता गया। रुक-रुककर होती बारिश और आसमान में छाए बादलों के कारण पूरे दिन मौसम ठंडा बना रहा। शाम तक कई इलाकों में तेज बारिश होने से लोगों को अपने दैनिक कामकाज और आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ा। मौसम में अचानक आए बदलाव का असर शहर के बाजारों, सड़कों और आम जनजीवन पर भी दिखाई दिया। जरूरी काम से घरों से निकले लोगों को बारिश के बीच अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ा। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को विशेष रूप से परेशानी हुई। सड़कों पर बारिश के कारण आवाजाही प्रभावित रही। खराब मौसम के चलते लोगों को अपने कामकाज की योजना भी मौसम की स्थिति को ध्यान में रखकर बनानी पड़ी।

मशरूम उत्पादन के...

हुए प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान और कौशल का उपयोग कर स्वयं का उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उद्यमिता विकास, कौशल संवर्धन और स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने पर जोर दिया। छह दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यवसाय शुरू करने की संभावनाओं से परिचित कराने के साथ ही अपनी आजीविका के साधन विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में सहायक साबित हो सकते हैं।

शादी का झांसा देकर ...

पुलिस में शिकायत की। मामले में पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी ग्राम सोहगांव निवासी दीपक कुमेटी पिता नागुराम कुमेटी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। अपराध में संलिप्तता स्वीकार करने के बाद 27 अक्टूबर को उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

केशकाल में रात 2 बजे से लगातार बारिश, बदले मौसम ने बढ़ाई किसानों की चिंता

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

क्षेत्र में बुधवार रात करीब 2 बजे से लगातार बारिश हो रही है। रात के अंधेरे में शुरू हुआ बारिश का सिलसिला सुबह तक जारी रहने से क्षेत्र में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। लगातार हो रही वर्षा के बीच लोगों की नजरें अब मौसम की स्थिति पर टिकी हुई हैं। वहीं, चक्रवात के संभावित प्रभाव को देखते हुए खेती-किसानी से जुड़े लोगों की चिंता भी बढ़ सकती है।

केशकाल में रात करीब 2 बजे से शुरू हुई बारिश के कारण मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। लगातार वर्षा होने से सामान्य जनजीवन, आवागमन और रोजमर्रा के कामकाज पर असर पड़ने की संभावना है। बारिश का दौर आगे भी जारी रहता है तो लोगों को दैनिक गतिविधियों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

चक्रवात के संभावित प्रभाव के बीच क्षेत्र में वर्षा का दौर जारी, खेतों में तैयार फसल को सुरक्षित रखने की चुनौती



मौसम पर बनी हुई है नजर

केशकाल सहित आसपास के क्षेत्रों में हो रही बारिश के बीच आगामी घंटों के मौसम को लेकर लोगों में उत्सुकता बनी हुई है। हालांकि, केवल बारिश होने के आधार पर इसे चक्रवात का प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं माना जा सकता। इसके लिए मौसम विभाग की आधिकारिक चेतावनी और स्थानीय मौसम संबंधी आंकड़ों की पुष्टि आवश्यक है। फिलहाल क्षेत्रवासियों को सावधानी बरतने, अनावश्यक रूप से खराब मौसम में बाहर निकलने से बचने तथा नदी-नालों और जलभराव वाले स्थानों से दूर रहने की जरूरत है। बारिश के दौरान तेज हवा या बिजली चमकने की स्थिति में खुले मैदान और पेड़ों के नीचे खड़े होने से भी बचना चाहिए। केशकाल में रात 2 बजे से जारी बारिश के बीच अब सभी की नजरें मौसम के अगले रुख पर हैं। यदि वर्षा का सिलसिला लंबा खिंचता है, तो इसका असर जनजीवन के साथ-साथ किसानों की कृषि गतिविधियों पर भी पड़ सकता है।

ऐसे में लोगों के लिए मौसम की ताजा स्थिति और प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों पर ध्यान देना जरूरी है। इस समय बारिश का असर किसानों के लिए विशेष चिंता का विषय बन सकता है। जिन किसानों की फसल खेतों में तैयार है या कटाई की तैयारी चल रही है, उनके लिए मौसम का अचानक बदलना परेशानी बढ़ा सकता है। लगातार बारिश होने से खेतों में खड़ी फसल, काटकर रखी गई उपज और खुले स्थानों पर रखे कृषि उत्पादों को नुकसान पहुंचने की आशंका रहती है।

ऐसे में किसानों को सलाह दी जाती है कि कटी हुई फसल को सुरक्षित और ढके हुए स्थान पर रखें तथा खेतों में पानी जमा होने की स्थिति पर नजर बनाए रखें। मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए कृषि संबंधी निर्णय लेने में स्थानीय कृषि विभाग की सलाह उपयोगी हो सकती है।

किसानों और मजदूरों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को ग्रामीणों तक पहुंचाने का प्रयास

लाल सलाम के नारों के साथ एरला से माकड़ी तक निकली सीपीआई की बाइक रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सीपीआई जिला परिषद कोण्डागांव के तत्वावधान में मंगलवार को मा माकड़ी कड़ी तहसील क्षेत्र में लाल सलाम के नारों के साथ बाइक रैली निकाली गई। ग्राम एरला से शुरू हुई रैली विभिन्न गांवों से होते हुए माकड़ी तहसील मुख्यालय पहुंची, जहां इसका समापन किया गया। रैली के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों को साम्यवादी विचारधारा से परिचित कराने तथा किसानों, मजदूरों और आम नागरिकों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को उठाने का प्रयास किया।

सीपीआई जिला परिषद कोण्डागांव द्वारा पार्टी की विचारधारा को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने के उद्देश्य से पिछले वर्ष से मोटरसाइकिल रैलियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में राज्य परिषद सदस्य एवं बस्तर संभाग संयोजक कामरेड तिलक पाण्डे के निर्देश पर माकड़ी क्षेत्र में बाइक रैली निकाली गई।

कई गांवों से होकर पहुंचे कार्यकर्ता



नौ गांवों से होकर माकड़ी पहुंचे कार्यकर्ता

ग्राम एरला से प्रारंभ हुई बाइक रैली तौरेंगा, हिरावण्डी, हिरापुर, कुरलूबहार, इंगरा, धारली, उड़ीदगांव, पीढ़ापाल और कलीबेड़ा होते हुए माकड़ी तहसील मुख्यालय पहुंची। रास्ते में विभिन्न गांवों के चौक–चौराहों पर कार्यकर्ताओं ने रुककर नारे लगाए और ग्रामीणों तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास किया। रैली में शामिल कार्यकर्ता सीपीआई के लाल झंडे और पार्टी के चुनाव चिह्न के साथ मोटरसाइकिलों पर सवार होकर निकले। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने लाल सलाम के नारे लगाए। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को पार्टी की विचारधारा और उसके राजनीतिक संघर्षों की जानकारी देने का प्रयास किया गया।

माकड़ी तहसील मुख्यालय में हुआ समापन

विभिन्न गांवों से गुजरने के बाद बाइक रैली माकड़ी तहसील मुख्यालय पहुंची, जहां इसका समापन किया गया। इस आयोजन के माध्यम से सीपीआई ने ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी संगठनात्मक उपस्थिति दर्ज कराने और किसानों, मजदूरों तथा आम नागरिकों से जुड़े मुद्दों को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया।

किसानों और मजदूरों के अधिकारों का उठाया मुद्दा

सीपीआई के अनुसार, रैली का उद्देश्य किसानों, मजदूरों और आम नागरिकों को अन्याय, शोषण तथा अत्याचार के विरुद्ध पार्टी द्वारा किए जा रहे संघर्षों से अवगत कराना था। पार्टी कार्यकर्ताओं ने कहा कि किसानों, मजदूरों और आम लोगों की समस्याओं को उठाना तथा उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करना पार्टी की प्रमुख राजनीतिक गतिविधियों में शामिल है।

जिला पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ता हुए शामिल

रैली में सीपीआई के जिला सचिव कामरेड शैलेष, सहायक सचिव कामरेड जयप्रकाश एवं दिनेश सहित सोमारू, बिसम्बर, दूबेश, मानसिंग तथा विभिन्न गांवों से पहुंचे पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने रैली के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रें में पार्टी की गतिविधियों और विचारधारा का प्रचार किया।

विधायक टेकाम ने विश्रामपुरी के कुम्हारपारा में किया आंगनबाड़ी भवन का भूमिपूजन

15 फरवरी तक निर्माण पूरा करने का लक्ष्य, विधायक ने किया लोकार्पण का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

केशकाल विधानसभा क्षेत्र के विश्रामपुरी स्थित कुम्हारपारा में आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण की वर्षों पुरानी मांग अब पूरी होने जा रही है। विधायक नीलकंठ टेकाम ने भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस भवन के निर्माण से स्थानीय बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र की सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। साथ ही बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और देखभाल से जुड़ी गतिविधियों के संचालन के लिए बेहतर आधारभूत सुविधा विकसित होगी।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान विधायक टेकाम ने निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने की बात कही। उन्होंने 15 फरवरी को आंगनबाड़ी केंद्र भवन का लोकार्पण करने की घोषणा करते हुए कहा कि तय तिथि तक भवन निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि स्थानीय बच्चों को जल्द ही व्यवस्थित भवन की सुविधा मिल सके। आंगनबाड़ी केंद्र छोटे बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और प्रारंभिक शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में कुम्हारपारा में नए भवन का निर्माण स्थानीय परिवारों के लिए उपयोगी साबित होगा।



वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी

वर्षों से इस सुविधा की प्रतीक्षा कर रहे क्षेत्रवासियों को अब नए भवन की सौगात मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में पुष्पा चांदेकर सरपंच, सेवक राम नेताम, अनिता नेताम, मनाराम मरकाम, किशन पांडे, दुखाराम मरकाम, रविंद्र पांडे, शंभू चांदेकर, जीवन मानिकपुरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। कुम्हारपारा में आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण की पहल से क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अब ग्रामीणों की निगाहें निर्माण कार्य के समय पर पूरा होने और निर्धारित तिथि पर भवन के लोकार्पण पर टिकी हैं।

फसल चक्र परिवर्तन को बढ़ावा देने दलहन की खेती के लिए प्रशिक्षण



हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरर

ग्राम पंचायत तालाकुर्रा में आत्मनिर्भरता दलहन मिशन योजना के अंतर्गत धान के बदले दलहन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कांकेर से पहुंचे कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारियों ने किसानों को दलहन और तिलहनी फसलों की खेती को बढ़ावा देने, फसल चक्र अपनाने तथा शासन की कृषि योजनाओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सीएल ठाकुर ने खेत बचाओ अभियान के संबंध में किसानों को जागरूक किया। उन्होंने मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, भूमि संरक्षण और वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को धान के साथ दलहन एवं तिलहनी फसलों को भी अपनाने के लिए प्रेरित किया। इससे भूमि की गुणवत्ता बनाए रखने और कृषि उत्पादन बढ़ाने में मदद मिल सकती है। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. सीएल ठाकुर, कृषि विकास अधिकारी ईश्वर चंद देवांगन, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी वरुण दिवाकर तथा एटीएम बलवीर सेन ने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों और फसल विविधीकरण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

ग्राम पंचायत तालाकुर्रा के सरपंच विनोद रावटे ने किसानों से पारंपरिक धान की खेती के साथ दलहन एवं तिलहनी फसलों को भी अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि खेती को लाभकारी और टिकाऊ बनाने के लिए फसल चक्र, मिट्टी की उर्वरता तथा जल एवं भूमि का उचित प्रबंधन जरूरी है। उन्होंने किसानों से कृषि विभाग के अधिकारियों की सलाह का लाभ उठाने और शासन की योजनाओं के माध्यम से आधुनिक कृषि पद्धतियां अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को जागरूक कर खेती को अधिक उन्नत, टिकाऊ और लाभकारी बनाने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।

बच्चों की चुप्पी तोड़ने की पहल, पॉक्सो कानून से बताए सुरक्षा के अधिकार

जगदलपुर। बच्चों को लैंगिक अपराधों से सुरक्षित रखने और उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बस्तर द्वारा सुरक्षित बचपन अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शहर के चांदनी चौक स्थित सेंट जेवियर्स विद्यालय में बाल संरक्षण एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) 2012 को लेकर जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। विद्यालय में इस तरह का यह पहला जागरूकता शिविर था। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गोविंद कुमार जांगड़े के दिशा-निर्देशन में आयोजित शिविर में प्राधिकरण की



सचिव एवं सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ श्रेणी) अंकिता कश्यप मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी देते हुए बाल अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा और गुड टच-बैड टच के बीच अंतर समझाया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के अनुचित व्यवहार या लैंगिक शोषण की स्थिति में बच्चों को डरने या चुप रहने के बजाय अपने अभिभावकों, शिक्षकों अथवा संबंधित प्राधिकरण को इसकी जानकारी देनी चाहिए। इस दौरान न्यायिक अधिकारी विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम, बाल अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा और गुड टच-बैड टच जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी देंगे। अभियान के तहत निर्धारित अन्य गतिविधियों और दिशा-निर्देशों को भी चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य सहित शिक्षक उपस्थित रहे।

ऑनलाइन गतिविधियों से सतर्क रहें

व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी) सुश्री नीति ने विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम के साथ साइबर अपराधों और उनसे बचाव के तरीकों के बारे में बताया। उन्होंने बच्चों को ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान सतर्क रहने तथा साइबर अपराधों से सुरक्षित रहने के प्रति जागरूक किया। सुरक्षित बचपन अभियान का क्रियान्वयन दो चरणों में किया जाना प्रस्तावित है।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय सरोना के शिक्षकों को दो माह से वेतन अप्राप्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरोना

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सरोना में कार्यरत शिक्षकों को पिछले दो माह से वेतन नहीं मिलने के कारण आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सितंबर और अक्टूबर 2026 का वेतन लंबित होने से शिक्षकों के सामने परिवार के भरण-पोषण और घरेलू खर्चों को पूरा करने की समस्या खड़ी हो गई है। शिक्षकों का कहना है कि वे नियमित रूप से विद्यालय पहुंचकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें समय पर वेतन नहीं मिल रहा है।

शिक्षकों के अनुसार वेतन में लगातार देरी होने से घर का बजट बिगड़ गया है। रोजमर्रा के खर्च, बच्चों की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में कठिनाइयां आ रही हैं। कुछ शिक्षकों को अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए उधार लेने की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। उनका



कहना है कि वे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होने देना चाहते, इसलिए आर्थिक संकट के बावजूद नियमित रूप से विद्यालय में सेवाएं दे रहे हैं। शिक्षकों को समय पर वेतन उपलब्ध कराना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है।

ऐसे में लगातार दो माह तक भुगतान लंबित रहने से वेतन जारी करने की प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। शिक्षकों की मांग है कि वेतन भुगतान में देरी के वास्तविक कारणों का पता लगाया जाए और समस्या का शीघ्र समाधान किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो।

इस संबंध में शिक्षकों की ओर से छत्तीसगढ़ शासन के शिक्षा सचिव और लोक शिक्षण संचालनालय, रायपुर से संपर्क कर अपनी समस्या से अवगत कराया गया है। शिक्षकों ने लंबित वेतन का जल्द भुगतान करने की मांग की है। उनका कहना है कि समय पर वेतन मिलना आवश्यक है, ताकि वे आर्थिक चिंताओं से मुक्त होकर शिक्षण कार्य पर ध्यान केंद्रित कर सकें। शिक्षकों को उम्मीद है कि संबंधित अधिकारी मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द आवश्यक कार्रवाई करेंगे। समय पर वेतन भुगतान नहीं होने से कर्मचारियों का मनोबल प्रभावित होने के साथ विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण पर भी अप्रत्यक्ष असर पड़ने की आशंका है।







खबर संक्षेप

अंतरजातीय विवाह करने पर कलेक्टर ने किया सम्मानित



बीजापुर। जिला मुख्यालय में सामाजिक समरसता और रूढ़िवादिता को दूर करने की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई है। कलेक्टर विश्वदीप द्वारा अंतरजातीय विवाह करने वाले 4 नवविवाहित दंपत्तियों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान कलेक्टर विश्वदीप ने नवदंपतियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और समाज में इस प्रकार के सकारात्मक बदलावों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अंतरजातीय विवाह सामाजिक एकता को मजबूत करने और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने का एक सशक्त माध्यम है। सहायक आयुक्त देवेन्द्र कुमार ने भी नवविवाहित जोड़ों के इस साहसी और प्रगतिशील कदम की सराहना की। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा अंतरजातीय विवाह को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि समाज में समानता और समरसता का भाव पैदा हो सके। नव विवाहित जोड़ी जिसमें विजय झाड़ी एवं सोनल झाड़ी, गोमास विक्रांत एवं लक्ष्मी गोमास, डिगम्बर साहू एवं रिया किष्टैया, बिजेन्द्र चेन्नूर एवं कौशल्या शामिल है।

एनडीआरएफ-एसडीआरएफ को मुस्तैद रहने के निर्देश

चक्रवात से निपटने कलेक्टर अलर्ट

राहत शिविरों का किया निरीक्षण, कलेक्टर-एसपी का मैराथन दौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

संभावित चक्रवात 'अर्नब' के मद्देनजर सुकमा जिला प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। कलेक्टर अमित कुमार ने आपदा प्रबंधन की तैयारियों को प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर के साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों का मैराथन दौरा किया। इस दौरान कोंटा में स्थापित बाढ़ एवं आपदा राहत शिविरों का निरीक्षण कर राहत और बचाव कार्यों की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक संसाधन तैयार रखें और राहत व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

- शिक्षा, बिजली और धान खरीदी की व्यवस्थाओं का लिया जायजा





आपदा प्रबंधन की तैयारियों पर विशेष जोर

संभावित चक्रवात के प्रभाव को देखते हुए कलेक्टर अमित कुमार एवं एसपी मयंक गुर्जर ने कोंटा स्थित आईटीआई और रेस्ट हाउस में बनाए गए बाढ़ एवं आपदा राहत शिविरों का जायजा लिया। अधिकारियों ने शिविरों में उपलब्ध व्यवस्थाओं तथा राहत-बचाव की तैयारियों की जानकारी ली। कलेक्टर ने एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को सतत मुस्तैद रहने और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। सुकमा जिले के संवेदनशील एवं दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदा के दौरान समय पर सहायता पहुंचाना प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है। ऐसे में राहत शिविरों की तैयारियों, बचाव दलों की उपलब्धता और विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर प्रशासन का विशेष ध्यान है।

कलेक्टर ने आपात परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

बिजली आपूर्ति और धान खरीदी की समीक्षा

दौरे के अगले चरण में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत बंडा में नवनिर्मित विद्युत उपकेंद्र का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने तकनीकी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को चारों फीडर शीघ्र चालू करने के निर्देश दिए, ताकि वनांचल क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बेहतर और निर्बाध हो सके। इसके बाद पोषण पुनर्वास केंद्र, कोंटा की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। धान खरीदी केंद्र के औचक निरीक्षण के दौरान समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने तथा किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने देने के निर्देश दिए गए।

जनसुरक्षा और विकास प्रशासन की प्राथमिकता

कलेक्टर अमित कुमार के नेतृत्व में किए गए इस मैदानी निरीक्षण में आपदा प्रबंधन, शिक्षा, स्वास्थ्य-पोषण, विद्युत आपूर्ति और कृषि उपज खरीदी जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि प्राकृतिक आपदा की आशंका के बीच नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही, विकास कार्यों की गुणवत्ता और शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है। दौरे के दौरान कोंटा एसडीएम निधि प्रधान, सीएसईबी के कार्यपालन अभियंता सौरभ विश्वकर्मा, जिला खाद्य अधिकारी रवि कोमरा, एसी ट्राइबल हेमंत सिन्हा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों से संवाद, शिक्षा की गुणवत्ता पर चर्चा

कलेक्टर अमित कुमार एवं एसपी मयंक गुर्जर ने पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास, कोंटा पहुंचकर कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों से बातचीत की। कलेक्टर ने विद्यार्थियों की पढ़ाई, तिमाही परीक्षा के परिणाम और दैनिक अध्ययन की दिनचर्या की जानकारी ली। उन्होंने नियमित अध्ययन और लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करने की प्रेरणा दी। विद्यार्थियों को शासन की ओर से उपलब्ध उच्च शिक्षा, आवास एवं भोजन की सुविधाओं का लाभ उठाने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए जिला प्रशासन द्वारा संचालित 'क्षितिज कोचिंग' का अधिकतम उपयोग करने की सलाह दी गई। एसपी ने भी अनुशासन, एकाग्रता और खेलकूद के साथ पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। अधिकारियों ने मेस सचिव एवं विद्यार्थियों से भोजन की गुणवत्ता और छात्रावास की सुविधाओं के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर नजर

दौरे के दौरान कलेक्टर और एसपी ने सीआरपीएफ कैंप रामाराम में निर्माणाधीन 'सेवा डेरा' के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण की प्रगति और गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं, कोंटा एसडीएम कार्यालय के सिंगल विंडो कक्ष में नागरिकों से संवाद कर शासकीय सेवाओं को सरल, पारदर्शी और त्वरित बनाने पर जोर दिया।

कृषक उन्नति योजना को बेहतर बनाना किसानों के लिए समृद्धि की दिशा में मील का पत्थर : देव

हरिभूमि न्यूज ⏭ दन्तेवाड़ा



- प्रदेश भाजपाध्यक्ष ने कृषक कल्याण समेत कैबिनेट के सभी निर्णयों पर प्रसन्नता जतायी

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने राज्य सरकार की मंत्रि परिषद द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026 में कृषक उन्नति योजना और अधिक बेहतर बनाने के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं समूचे मंत्रिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए इसे प्रदेश के अन्नदाताओं के हित में लिया गया दूरदर्शी और ऐतिहासिक फैसला बताया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार सदैव किसानों के कल्याण और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए कटिबद्ध रही है। मंत्रिपरिषद द्वारा किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी सुनिश्चित करने के साथ-साथ योजना के अंतर्गत धान फसल पर आदान सहायता राशि को 'प्रति क्विंटल के स्थान पर प्रति एकड़' के मान से प्रदान करने का निर्णय प्रदेश के लाखों किसानों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। उन्होंने कहा कि इस नीतिगत निर्णय से न केवल किसानों को प्रत्यक्ष प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि फसल विविधीकरण को गति मिलेगी। किसान पारम्परिक खेती के साथ-साथ अन्य लाभकारी फसलों की ओर प्रेरित होंगे। समय पर और उचित अनुपात में सहायता राशि मिलने से किसानों की आय में ठोस वृद्धि होगी और उनका सामाजिक व आर्थिक स्तर मजबूत होगा। किसान उन्नत बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि यंत्रीकरण और आधुनिक तकनीकों में अधिक निवेश करने में सक्षम बनेंगे, जिससे प्रति एकड़ उत्पादकता बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार गांव, गरीब और किसान के उत्थान के लिए ठोस कदम उठा रही है। यह निर्णय साबित करता है कि भाजपा जो कहती है, उसे पूरा करके दिखाती है। उन्होंने कृषक कल्याण समेत सभी 19 जनहितकारी निर्णय के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और मंत्रिपरिषद के प्रति आभार व्यक्त किया।

आत्महत्या की घटना की होगी दण्डाधिकारी जांच

बीजापुर। जिला मुख्यालय बीजापुर स्थित नक्सल पुनर्वास केंद्र में 21 अक्टूबर को आत्महत्या की घटना के संबंध में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी बीजापुर द्वारा दण्डाधिकारी जांच के आदेश दिए गए हैं। घटना की जांच के लिए कार्यपालिक दण्डाधिकारी बीजापुर को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। जारी उद्घोषणा के अनुसार, ग्राम तेलंगापारा, थाना गंगालूर निवासी 26 वर्षीय आत्मसमर्पित नक्सली नरसू बोड्डू, पिता स्वर्गीय लक्ष्मैय्या, फरवरी 2025 में आत्मसमर्पण करने के बाद जुलाई 2026 से पुनर्वास केंद्र बीजापुर में रह रहा था। 21 अक्टूबर को शाम लगभग 7 बजे से 7.15 बजे के बीच उसने पुनर्वास केंद्र में स्वयं के स्नानागार में बंद होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

पटवारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम



छत्तीसगढ़ राजस्व पटवारी संघ ने अपनी 4 सूत्रीय लंबित मांगों के निराकरण को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। कलेक्टर के माध्यम से सौंपे गए ज्ञापन में पटवारी संघ ने शासन-प्रशासन से मांगों का समयबद्ध निराकरण करने, पटवारी संवर्ग के प्रति प्रशासनिक उपेक्षा समाप्त करने तथा आंदोलन के दौरान की गई दंडात्मक कार्यवाहियों को निरस्त करने की मांग की है। संघ द्वारा 13 अक्टूबर से प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन आंदोलन किया जा रहा है।

ज्ञापन में संघ ने कहा है कि पटवारी संवर्ग की प्रमुख समस्याओं को पिछले कई वर्षों से उठाया जा रहा है, लेकिन अब तक उनका संतोषजनक समाधान नहीं हो पाया है। बार-बार ज्ञापन देने और अधिकारियों से चर्चा के बावजूद मांगें लंबित रहने से कर्मचारियों में निराशा और असंतोष बढ़ रहा है। संघ की पहली मांग पटवारी संवर्ग से राजस्व निरीक्षक पद पर पदोन्नति की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ करने की है। संघ के अनुसार, यह मांग पिछले लगभग 8 से 10 वर्षों से लंबित है। दूसरी मांग वर्ष 2017 में ग्रेड-पे संशोधन के बाद वेतन निर्धारण में उत्पन्न विसंगतियों को दूर करने की है। संघ का कहना है कि इन विसंगतियों के कारण कई कर्मचारियों के वेतन निर्धारण में त्रुटियां हुई हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। तीसरी मांग पीवी ऐप के स्थान पर डीसीएस के माध्यम से शुद्ध एवं त्रुटिरहित फसल गिरदावरी सुनिश्चित करने की है। संघ ने बताया कि वर्तमान प्रक्रिया में तकनीकी एवं व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण फसल गिरदावरी के दौरान समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। विशेष रूप से खसरा विवरण, नक्शा बंटांकन, विवादित कब्जे, न्यायालयीन प्रकरणों तथा तकनीकी त्रुटियों के कारण वास्तविक स्थिति के अनुरूप गिरदावरी दर्ज करने में कठिनाई होती है। संघ ने इन समस्याओं का समाधान कर पारदर्शी एवं विश्वसनीय व्यवस्था लागू करने की मांग की है। चौथी मांग आंदोलन की पृष्ठभूमि में की गई निलंबन, स्थानांतरण तथा कारण बताओ नोटिस संबंधी कार्यवाहियों को निरस्त करने की है। संघ का कहना है कि तकनीकी एवं व्यावहारिक समस्याओं को लेकर उठाई गई मांगों के दौरान विभिन्न जिलों में कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है, जिससे पटवारी संवर्ग में असंतोष व्याप्त है। ज्ञापन में कहा गया है कि पटवारी ग्रामीण स्तर पर राजस्व प्रशासन की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। भूमि अभिलेखों का संधारण, राजस्व प्रतिवेदन, फसल गिरदावरी, आपदा संबंधी कार्य, निर्वाचन दायित्व और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। संघ ने मुख्यमंत्री से चारों मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए समयबद्ध कार्ययोजना जारी करने की अपील की है। कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान संवाद, पारदर्शिता और प्रशासनिक निर्णयों के माध्यम से किया जाना चाहिए, ताकि पटवारी संवर्ग का मनोबल बना रहे और राजस्व प्रशासन का कार्य सुचारु रूप से संचालित हो सके।

आंगनबाड़ी, कार्यकर्ता-सहायिकाओं ने दिया धरना, निकाली रैली

मुख्यमंत्री, महिला-बाल विकास मंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपालपटनम





आंगनबाड़ी, कार्यकर्ता, सहायिकाओं के संयुक्त मंच के आह्वान पर विकासखंड भोपालपटनम की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर भोपालपटनम के पामभोई क्लब स्थल पर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। धरने के बाद कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के नाम एसडीएम भोपालपटनम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने शासन से अपनी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ की ब्लॉक अध्यक्ष शांता मरकाम, विजय लक्ष्मी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को प्रतिदिन कई तरह की व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। महिला एवं बाल विकास विभाग सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें अपेक्षित सुविधाएं, सम्मानजनक मानदेय और भविष्य की सुरक्षा नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से सेवा देने के बावजूद कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का भविष्य सुरक्षित नहीं है। शासन से उनकी मांग है कि उनके योगदान को देखते हुए नियमितीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं तथा उन्हें श्रम कानूनों के अनुरूप सुविधाएं प्रदान की जाएं।

- नियमितीकरण, सम्मानजनक मानदेय और सामाजिक सुरक्षा की मांग

मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

प्रदर्शनकारियों ने आशा जताई कि छत्तीसगढ़ शासन उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र निर्णय लेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों की अनदेखी की गई तो प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार आगे उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

बीमा, पेंशन और पदोन्नति का उठाया मुद्दा

संयुक्त मंच की प्रमुख मांगों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का नियमितीकरण, नियमित किए जाने तक कार्यकर्ताओं को 30 हजार रुपये तथा सहायिकाओं को 25 हजार 500 रुपये मासिक वेतन देना शामिल है। इसके अलावा कार्यकर्ताओं को सुपरवाइजर तथा सहायिकाओं को कार्यकर्ता के पद पर सीधे पदोन्नति देने, पदोन्नति में आयु संबंधी बाध्यता समाप्त करने और समूह बीमा, पेंशन, ग्रेच्युटी एवं भविष्य निधि (पीएफ) की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गई। संयुक्त मंच ने आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में परिवार के आश्रित सदस्य को तत्काल अनुकंपा नियुक्ति देने तथा सेवानिवृत्ति पर कार्यकर्ताओं को पांच लाख रुपये और सहायिकाओं को तीन लाख रुपये की एकमुश्त राशि प्रदान करने की मांग भी रखी। साथ ही मध्यप्रदेश की तर्ज पर प्रतिवर्ष मानदेय में एक हजार रुपये की वृद्धि किए जाने की मांग ज्ञापन में शामिल की गई। धरना-प्रदर्शन संयुक्त मंच के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका, ब्लॉक अध्यक्ष शांता मरकाम, विजय लक्ष्मी शुक्ला, सचिव नरेन्द्र दुर्गम, फुलसे राधा, उपाध्यक्ष, ललिता यादव, श्यामा चिन्तूर, अर्चना बाशम, मोरला सरिता, यमनी सैंड्रा, अनीता टिंगे, शांति वाचम, सरस्वती मडे, सरिता पीरला, अनीता सैंड्रा, समू चिड़ेम, ललिता गंधरला, अनीता तलाण्डी, चक्रवर्ती कोरम सदस्य सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं उपस्थित रहीं।

8 महीने बीते, 39 मासूमों का भविष्य भगवान भरोसे

आश्रम शाला में बच्चों के भविष्य से खिलवाड़

मिडिल स्कूल में शिक्षकों का जमघट, लेकिन प्राइमरी स्कूल की एक भी कक्षा में गुरुजी नहीं

हरिभूमि न्यूज : मद्देड़



बीजापुर जिले के भोपालपटनम विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत पामगल शासकीय बालक माध्यमिक आश्रम शाला पामगल प्रायमरी स्कूल में शिक्षा व्यवस्था के बड़े-बड़े दावों की धज्जियां उड़ाती एक दर्दनाक और चिंताजनक तस्वीर आश्रम शाला पामगल से सामने आई है।

स्कूल सत्र 15 जून 2026 चालू हुए कई महीने बीत चुके हैं, लेकिन प्राथमिक स्तर कक्षा 1 से 5 में पढ़ाई कर रहे 39 मासूम बच्चों का भविष्य आज भी अंधेरे में है।

हैरान कर देने वाली बात यह है कि स्कूल सत्र का आधा समय बीत जाने के बाद भी प्राथमिक विभाग में एक भी शिक्षक की नियुक्ति नहीं की गई है। पूर्व में एक शिक्षक की पदस्थापना थी जिनकी पदोन्नति 02/2026 को हुई तब से लेकर आज 10/2026 अक्टूबर माह चल राह हैं अभी तक एक भी शिक्षक की पदस्थ नहीं हुई हैं। विरोधाभास का आलम यह है कि एक तरफ शिक्षकों की भीड़, दूसरी तरफ प्राथमिक कक्षाएं खाली है। आश्रम शाला परिसर की जमीनी हकीकत शिक्षा विभाग की लापरवाही और अव्यवस्था को साफ उजागर करती है। प्राथमिक विभाग कक्षा 1 से 5 कुल 39 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, लेकिन पढ़ाने के लिए शून्य शिक्षक हैं। मिडिल स्कूल में कक्षा 6 से 8 यहां 4 शिक्षक पदस्थ हैं।

बच्चों की कुल आंकड़ा पूरे स्तर पर 67 बच्चे दर्ज है। मिडिल स्कूल में पुरुष शिक्षक 3 महिला शिक्षक 1 पदस्थ होने के बावजूद इस आश्रम शाला के प्राथमिक विभाग को एक भी शिक्षक नसीब नहीं हुआ है। एक ही परिसर में मिडिल स्कूल के लिए शिक्षक मौजूद हैं, जबकि नीव मजबूत करने वाली प्राथमिक कक्षाओं में ताला लटकने जैसी नौबत है। ऐसे में सवाल उठता है कि बिना शिक्षकों के 39 बच्चे स्कूल में क्या सीख रहे हैं। अधिकारियों के दरवाजों पर कागजी चक्कर पर कोई सुनवाई नहीं। सीएसी के द्वारा कई बार उच्च अधिकारी को अवगत कराया गया शिक्षक की कमी को ले कर मगर अभी तक पदस्थापना नहीं हुई हैं।

शासकीय बालक माध्यमिक आश्रम शाला, प्राथमिक शाला पामगल के बच्चों के भविष्य को लेकर विकासखंड शिक्षा अधिकारी को कई बार लिखित आवेदन दिए हैं। इसके बावजूद महकमे की नींद नहीं टूटी।

विभागीय उदासीनता का आलम यह है कि महीनों बीत जाने के बाद भी प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए एक अदद शिक्षक तक की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जा सकी है।

मोदी की गारंटी पर उठे सवाल



गीदम। केंद्र सरकार द्वारा 28 अक्टूबर को केंद्रीय कर्मचारियों एवं पेंशनरों के लिए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में 3 प्रतिशत की वृद्धि करने के बाद छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों में केंद्र के समान डीए की मांग तेज हो गई है। केंद्र ने डीए 60 प्रतिशत से बढ़ाकर 63 प्रतिशत कर दिया है, जो 1 जुलाई से प्रभावी होगा। वहीं छत्तीसगढ़ में कर्मचारियों का डीए 58 प्रतिशत रहने से केंद्र और राज्य के बीच 5 प्रतिशत का अंतर हो गया है। छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ जिला इकाई दंतेवाड़ा के जिलाध्यक्ष संतोष मिश्रा ने राज्य सरकार से केंद्र के समान महंगाई भत्ता देने और लंबित एरियर के शीघ्र भुगतान की मांग की है। संघ ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने मोदी की गारंटी के तहत कर्मचारियों को केंद्र के समान डीए देने का वादा किया था, लेकिन वह पूरा नहीं हो पाया है। इससे शिक्षकों, कर्मचारियों और पेंशनरों में निराशा है। जिलाध्यक्ष मिश्रा ने कहा कि जब महंगाई का असर केंद्र और राज्य दोनों के कर्मचारियों पर समान है, तो भत्ते में अंतर क्यों? खाद्य सामग्री, पेट्रोलियम, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती कीमतों से हर परिवार प्रभावित है।

बस्तर में कंदीय फसलों व सुगंधित धान पर फोकस

किसानों की आय बढ़ाने पर कृषि विश्वविद्यालय का जोर



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. विवेक त्रिपाठी एवं संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. एसएस टुटेजा ने परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र जगदलपुर का निरीक्षण कर यहां संचालित अनुसंधान एवं कृषि विस्तार गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने प्रक्षेत्र का भ्रमण कर विभिन्न फसलों पर चल रहे अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया और वैज्ञानिकों को बस्तर की स्थानीय जलवायु एवं कृषि परिस्थितियों के अनुरूप किसानोपयोगी अनुसंधान को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बस्तर में कंदीय फसलों की खेती के विस्तार को लेकर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र की अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए कंदीय फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के साथ इनके व्यावसायिक उत्पादन की संभावनाएं भी विकसित की जानी चाहिए।

बैठक में रबी फसलों की कम उत्पादकता की समस्या पर भी विस्तार से चर्चा हुई। वैज्ञानिकों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल उन्नत किस्मों के विकास, वैज्ञानिक उत्पादन तकनीकों और बेहतर जल प्रबंधन पर अनुसंधान करने के निर्देश दिए गए। वहीं बस्तर में सुगंधित धान की खेती का रकबा बढ़ाने और किसानों को इसके माध्यम से बेहतर बाजार मूल्य दिलाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने फसल विविधीकरण एवं एकीकृत कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई।

इसके तहत फसल उत्पादन के साथ पशुपालन, उद्यानिकी और अन्य कृषि आधारित गतिविधियों को जोड़कर किसानों की आय के एक से अधिक स्रोत विकसित करने पर बल दिया गया। निरीक्षण का उद्देश्य स्थानीय जरूरतों के अनुरूप कृषि अनुसंधान को नई दिशा देना और उन्नत तकनीकों के प्रभावी विस्तार से किसानों की उत्पादकता एवं आमदनी बढ़ाना रहा।

खबर संक्षेप

पूर्व विधायक राजमन ने किया जनसंपर्क



जगदलपुर। चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक राजमन बेंजाम ने बास्तानार विकासखंड के ग्राम कुचेपाल, बोदेनार और बड़े काकलुर में जनसंपर्क कर ग्रामीणों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने समस्याओं, विकास कार्यों और क्षेत्र की मौजूदा परिस्थितियों पर चर्चा की। जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों को सामने रखा। वहीं, कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान जनपद सदस्य बेड़ता पोयाम काकलुर के सरपंच रविन्द्र मरकाम कुचेपाल सरपंच दिनेश पोड़ियाम,उपसरपंच बुधराम,बुदु पोयाम एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कुपेर में महिलाओं को मिला वनोपज प्रसंस्करण का प्रशिक्षण

गीदम। एजुकेशन सिटी जावंगा स्थित एनएमडीसी डीएवी पॉलिटेक्निक द्वारा ग्राम कुपेर में वनोपज प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुकेश ठाकुर के मार्गदर्शन और ऋतुराज चंद्राकर के समन्वय में हुए इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं व युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ना था। इसमें ग्रामीणों को महुआ और इमली के वैज्ञानिक संग्रहण, पैकेजिंग व विपणन की जानकारी दी गई। कृषि विज्ञान केंद्र की वैज्ञानिक खेमलता ठाकुर ने खाद्य स्वच्छता और रजिया शेख ने उत्पाद विकास पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। सुरेश कुमार और प्रवीण कुमार निषाद ने सोलर ड्राइंग तकनीक व सुरक्षित भंडारण के गुर सिखाए।

चक्रवात और भारी बारिश की आशंका से बस्तर में अलर्ट, प्रशासन सक्रिय

जगदलपुर। मौसम विभाग द्वारा 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, मूसलाधार बारिश और जलभराव की चेतावनी जारी करने के बाद जिला प्रशासन द्वारा सजगता बरतने सहित किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए समुचित तैयारी कर ली गई है। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशानुसार कलेक्टोरेट स्थित प्रेरणा कक्ष में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में जिला पंचायत सीईओ तन्मय खन्ना ने निर्देशित किया कि पूर्व तैयारी आपदा के अनुमान से कहीं अधिक मजबूत होनी चाहिए, ताकि जनहानि न हो और जीरो कैजुअल्टी सुनिश्चित किया जा सके।बैठक के दौरान आपदा प्रबंधन के तहत विशेष रूप से अत्यधिक संवेदनशील इलाकों से नागरिकों को समय रहते राहत शिविरों में पहुंचाने की रणनीति बनाई गई। स्वास्थ्य अमले को हाई अलर्ट पर रखते हुए सभी अस्पतालों में पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। किसी भी मानवीय संकट को टालने के लिए प्रसव की संभावित तारीख वाली गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों को पहले से ही नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में शिफ्ट किया जा रहा है।

वन विकास निगम से प्रतिनियुक्ति पर रेंजर की पदस्थापना का विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

वन विभाग में अधिकारियों की पदस्थापना को लेकर विवाद गहराता नजर आ रहा है। छत्तीसगढ़ वन विकास निगम से प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारी को वन विभाग में सामान्य वन परिक्षेत्र के पद पर पदस्थ किए जाने पर छत्तीसगढ़ फॉरेस्ट रेंजर एसोसिएशन ने कड़ा विरोध जताया है।

- नियमित वन क्षेत्रपालों की अनदेखी कर प्रतिनियुक्ति पर पदस्थापना को बताया अनुचित
- फॉरेस्ट रेंजर एसोसिएशन ने उठाए सवाल

वन मंत्री और अपर मुख्य सचिव को सौंपा विरोध पत्र

नियमित अधिकारियों की हो रही उपेक्षा

एसोसिएशन के अनुसार, सामान्य प्रशासनिक परंपरा के तहत वन विभाग के नियमित वन क्षेत्रपालों को प्रतिनियुक्ति पर वन विकास निगम भेजा जाता रहा है। संगठन का कहना है कि इस बार इसके विपरीत वन विकास निगम से अधिकारी को सामान्य वन परिक्षेत्र में पदस्थ किया जा रहा है, जो उचित नहीं है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के माध्यम से 177 सामान्य वन क्षेत्रपालों की सीधी भर्ती की गई थी। वर्ष 2026 तक इनमें से कई अधिकारी पदोन्नति की प्रक्रिया में हैं और प्रदेश के विभिन्न वन क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में सामान्य वन परिक्षेत्र में वन विकास निगम से प्रतिनियुक्ति पर अधिकारी की पदस्थापना को संगठन ने नियमित अधिकारियों के अवसरों की अनदेखी बताया है।



भर्ती नियमों का दिया हवाला

एसोसिएशन ने छत्तीसगढ़ वन (राजपत्रित) सेवा भर्ती नियम, 2015 के नियम-6 का उल्लेख करते हुए कहा है कि इसमें भर्ती और पदस्थापना के प्रावधान निर्धारित हैं। संगठन का तर्क है कि सामान्य वन परिक्षेत्र अधिकारी का पद राजपत्रित अधिकारी तथा राज्य वन सेवा संवर्ग से संबंधित है, इसलिए इस पद पर अन्य संवर्ग के अधिकारी की पदस्थापना उचित नहीं है। एसोसिएशन ने वन मंत्री और अपर मुख्य सचिव से मामले की समीक्षा कर पदस्थापना आदेश पर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

एसोसिएशन ने इस निर्णय को विभागीय प्रशासनिक परंपराओं और पदस्थापना संबंधी नियमों के विपरीत बताते हुए वन मंत्री तथा अपर मुख्य सचिव से आदेश पर पुनर्विचार करने की मांग की है।

एसोसिएशन ने 27 अक्टूबर 2026 को जारी ज्ञापन में छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के 26 अक्टूबर के आदेश का हवाला देते हुए कहा है कि निशांत सिंह ठाकुर को छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड से प्रतिनियुक्ति पर वनमंडल बस्तर के अंतर्गत करपावंड (सामान्य) वन परिक्षेत्र में पदस्थ किया गया है। संगठन ने इस पदस्थापना पर आपत्ति दर्ज कराते हुए इसे वापस लेने की मांग की है।

दस साल से कॉलेज में थे पदस्थ, पुलिस मामले की जाँच में जुटी

छात्रा से अभद्रता के आरोप में कृषि महाविद्यालय का प्रोफेसर जेल भेजा गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

कॉलेज की छात्रा ने कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. पीयूषकांत नेताम पर जो आरोप लगाए, उसके आधार पर उन्होने अपनी पद की गरिमा को तार-तार कर दिया। छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी प्रोफेसर के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए मामले की गंभीरता को देखते हुए गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में जेल भेजा दिया। घटना की खबर के बाद कॉलेज प्रबंधन में भी हडकंप मच गया। कांकेर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रामप्रसाद पोर्टाई कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, सिंगारभाट कांकेर के प्रोफेसर डॉ. पीयूषकांत नेताम ने एक छात्रा को मोबाइल फोन के माध्यम से टेलीग्राम पर अश्लील वीडियो की लिंक भेजी। इसके अलावा शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी प्रोफेसर ने कथित तौर पर निजी संबंध बनाने का दबाव बनाया। ऐसा नहीं करने पर प्रैक्टिकल में कम अंक देने की धमकी देकर उसे परेशान किया गया। पीड़िता का कहना है कि इस तरह की हरकतों से वह मानसिक रूप से परेशान हो गई थी। परेशान होकर पीड़िता ने घटना की जानकारी कांकेर थाना में दिया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि भेजी गई अश्लील सामग्री और कथित दबाव के कारण उसे असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। मामले की गंभीरत को देखते हुए थाना प्रभारी ने घटना की जानकारी एसपी निखिल राखेचा, एएसपी योगेश साहू और एसडीओपी हरीश पाटिल के संज्ञान में लाया गया। उच्च अधिकारियों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन पर पीड़िता के द्वारा दिए गए तत्थों के आधार पर अपराध दर्ज करते हुए आरोपी प्रोफेसर को डॉ. पीयूषकांत नेताम की कॉलेज से गिरफ्तारी के संबंध में कालेज के डीन और उनके परिजनों को देते हुए गिरफ्तार किया गया और न्यायिक रिमांड में जेल भेजा गया।

- गरिमा को किया तार-तार, भेजे गए जेल



कॉलेज में दस साल पहले हुए थे पदस्थ

जिला कोंडागांव के फरसगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोपरा बड़े राजपुर निवासी पियूषकान्त नेताम पिता नारद राम उम्र 49 वर्ष विगत दस साल पहले वर्ष 2015-16 में रामप्रसाद पोर्टाई कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, सिंगारभाट में पदस्थ हुए थे। उनके बारे में डीन से जानकारी चाही गई, परंतु उनका कहना था कि मैं तीन माह पहले ही पदस्थ हुआ हूँ। मेरे को प्रोफेसर के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

कई धाराओं में दर्ज हुआ मामला

कोतवाली थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार साहू ने बताया कि 27 अक्टूबर को मिली शिकायत के आधार पर प्रोफेसर डॉ. पीयूषकांत नेताम के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की। एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 75(2), 75(3) और 351(2) तथा सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम, 2008 की धारा 67 (ए) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक भुवनेश्वरी भगत द्वारा की जा रही है।

बस्तर ओलंपिक में भागीदारी के लिए कार्यक्रम आयोजित



हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

बस्तर ओलंपिक के आयोजन में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा युवाओं और खिलाड़ियों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आज नरहरदेव मैदान में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग कांकेर द्वारा किया गया। इस दौरान बस्तर ओलंपिक में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने के लिए युवाओं और खिलाड़ियों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करना तथा खेलों के माध्यम से युवाओं में उत्साह, अनुशासन, आपसी सहयोग और खेल भावना का विकास करना है। बस्तर ओलंपिक स्थानीय खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और ग्रामीण अंचलों के युवाओं को खेल के क्षेत्र में बेहतर अवसर प्रदान करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। जनजागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से लोगों से बस्तर ओलंपिक में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा आयोजन को सफल बनाने की अपील की गई। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद कांकेर के अध्यक्ष अरुण कौशिक, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सरस्वती बंजारे, जनपद पंचायत कांकेर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अश्वनी यादव, डॉ. लोकेश देव सहित खिलाड़ी उपस्थित रहे।

चेराकुर में नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण

जगदलपुर। मंगलवार को बस्तर विकास खंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चेराकुर में नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप ने भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित व पूजा-अर्चना कर इस नवीन भवन को ग्रामीणों एवं नौनिहालों को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के सर्वांगीण विकास, प्राथमिक शिक्षा और उत्तम पोषण की सबसे मजबूत आधारशिला होते हैं। आकर्षक चित्रों, वर्णमाला व बाल-सुलभ आकृतियों से सुसज्जित इस नए भवन के बनने से नन्हे बच्चों को सुरक्षित, प्रेरणादायक व अनुकूल वातावरण मिलेगा। इससे केंद्र के संचालन सहित विभिन्न पोषण और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा सकेगा।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, बेमची, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरुष रोग - धातुस्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - ल्यूकोरिया, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज

चक्रवात अर्नब के असर से बेमौसम वर्षा, किसान चिंतित, फसल खराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गूकोंदल



खरीफ सीजन में पहले कम बारिश की मार झेल रहे किसानों की मुश्किलें अब और बढ़ती नजर आ रही हैं। चक्रवात 'अर्बन' के प्रभाव से क्षेत्र में दिनभर रुक-रुककर हो रही हल्की बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेती में खाद, बीज, कीटनाशक और मजदूरी पर बड़ी रकम खर्च करने वाले किसानों को अब अपनी फसलों की गुणवत्ता और पैदावार प्रभावित होने का डर सता रहा है। दुर्गूकोंदल विकासखंड में इस खरीफ सीजन के दौरान कम बारिश के कारण पहले ही फसलों की बढ़वार और उत्पादन को लेकर चिंताएं बनी हुई थीं। अब मौसम में बदलाव और बेमौसम बारिश ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। खेतों में खड़ी फसलों और कटाई के लिए तैयार उपज पर मौसम का क्या असर पड़ेगा, इसे लेकर किसान चिंतित हैं। हालांकि, फसलों को हुए वास्तविक नुकसान की स्थिति निरीक्षण और सर्वेक्षण के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। खेती-किसानी में किसान पूरे सीजन मेहनत करने के साथ अपनी जमा पूंजी और कर्ज की राशि भी लगा देते हैं। उन्हें उम्मीद रहती है कि अच्छी पैदावार होने पर परिवार का भरण-पोषण करने के साथ कृषि कार्यों के लिए लिया गया कर्ज भी चुका सकेंगे। लेकिन मौसम की अनिश्चितता उनकी इन उम्मीदों पर पानी फेर सकती है। पहले कम बारिश और अब बेमौसम बारिश की आशंका ने किसानों के सामने दोहरी चुनौती खड़ी कर दी है। मौसम की मार से परेशान किसानों की निगाहें अब प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत मिलने वाली संभावित राहत पर टिकी हैं। किसानों की मांग है कि संबंधित विभाग खेतों में फसलों की स्थिति का जायजा लेकर नुकसान का वास्तविक आकलन करें। साथ ही, योजना के नियमों और पात्रता के अनुसार प्रभावित किसानों को बीमा संबंधी प्रक्रिया की जानकारी देते हुए समय पर सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में कदम उठाए जाएं। जनपद पंचायत दुर्गूकोंदल के सभापति एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल दुर्गूकोंदल के अध्यक्ष विकास राजू नायक ने कहा कि किसान की मेहनत और फसल उसके पूरे परिवार की आजीविका का आधार होती है। कम बारिश और बेमौसम बारिश जैसी परिस्थितियों का असर केवल खेती तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे परिवार की आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होती है।

संवाददाता नियुक्त करना है
हरिभूमि
समाचार पत्र कांकेर
जिला के अंतर्गत
लखनपुरी, नरहरपुर, बड़गांव, बांदे
में संवाददाता नियुक्ति करना है।
समाचार लिखने, विज्ञापन एवं प्रसार में लक्ष्य प्राप्त करने वाले व्यक्ति को प्राथमिकता।
सुरक्षा राशि जमा करने में सक्षम व्यक्ति संपर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, रायपुर
धमतरी रोड, रायपुर (छ.ग.)
मो. 9098324969
जिला कार्यालय, कांकेर
ऊपर नीचे रोड, महुरबंध पारा
कांकेर, मो. 70009 55574



